



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 170]

No. 170]

नई दिल्ली, बुधवार, 6 मई, 1981/वैशाख 16, 1903

NEW DELHI, WEDNESDAY, MAY 6, 1981/VAISAKHA 16, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

## कृषि मंत्रालय

कृषि और सहकारिता विभाग

अधिसूचना

नई दिल्ली, 6 मई, 1981

सां० कां० वि० 322 (अ.):—केन्द्रीय सरकार, नारियल विकास बोर्ड अधिनियम, 1979 (1979 का 5) की धारा 19 की उपधारा (2) के खण्ड (ख) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ:—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम नारियल विकास बोर्ड (विकल्प प्रकल्प) नियम, 1981 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख की प्रवृत्त होंगी।

2. परिभाषाएं:—इन नियमों में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा प्रदर्शित न हो:

(क) 'अधिनियम' से नारियल विकास बोर्ड अधिनियम, 1979 (1979 का 5) अभिप्रेत है।

(ख) "प्रकल्प" से इन नियमों से उपाबद्ध प्रकल्प अभिप्रेत है।

3. अधिनियम की धारा 8 की उपधारा (2) के अधीन विकल्प प्रकल्प:

अधिनियम की धारा 8 की उपधारा (2) में निषिद्ध विकल्प का प्रयोग नारियल विकास निदेशालय के अधिकारियों और अन्य कर्मचारियों द्वारा प्रकल्प I या II में इनमें जो भी मनुष्यित हो,

ऐसे समय के भीतर, जो केन्द्रीय सरकार द्वारा इस निमित्त विनिर्दिष्ट किया जाए, नारियल विकास बोर्ड का कर्मचारी होने की अपनी राजामन्दी प्रभिन्न करने या अन्यथा के लिए किया जाएगा और एक बार प्रयोग किया गया ऐसा विकल्प अंतिम होगा।

[फा० सं० 12-15/78-सी० ए०-1]

धार० सी० सू०, प्रवर सचिव

प्रकल्प

(नियम 3 देखिए)

सेवा में,

सचिव, भारत सरकार

कृषि मंत्रालय

कृषि और सहकारिता विभाग

नई दिल्ली।

महोदय,

भारत सरकार के कृषि मंत्रालय (कृषि और सहकारिता विभाग) के पत्र संख्या \_\_\_\_\_ तारीख \_\_\_\_\_ के संदर्भ में मैं, श्री/श्रीमती/कु० \_\_\_\_\_

(क) रकम, यदि कोई है, जो पहले ही प्राप्त की गई है, और उसकी विविष्टियाँ ;

(ख) ऐसे दावे से सुसंगत कोई अन्य विविष्टियाँ ;

(घ) अनुलोप, जिसका दावा किया गया है।

(2) प्रत्येक सूचना, बंधकदार या ऐसा भोर, धारणाधिकार या अन्य हित धारण करने वाले व्यक्ति या ऐसे व्यक्ति द्वारा सम्यक रूप से प्राधिकृत किसी अधिकारी द्वारा सम्यक रूप से हस्ताक्षर की जाएगी, और सत्यापित की जाएगी।

(3) सूचना, प्रायुक्त के कमकला या मुम्बई स्थित कार्यालय में, सभी कार्य विभागों में, कार्यालय के समय के दौरान फाइल की जाएगी या प्रायुक्त को रसीदी रजिस्ट्री डाक द्वारा भेजी जाएगी।

[फा० सं० आई एम ई-49(10)81]

मनोस बहल, संयुक्त सचिव

### MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Industrial Development)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 27th March, 1981

S.O. 228(E).—In exercise of the powers conferred by section 31 of the Hind Cycles Limited and Sen-Raleigh Limited (Nationalisation) Act, 1980 (70 of 1980), the Central Government hereby makes the following rules namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Hind Cycles Limited and Sen-Raleigh Ltd. (Nationalisation) Rules, 1981.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires :—

(a) "Act" means the Hind Cycles Limited and Sen-Raleigh Limited (Nationalisation) Act, 1980.

(b) 'section' means a section of the Act..

3. Time-limit for intimation.—Every mortgagee of any property which has vested under the Act in the Central Government or in a Government Company, as the case may be, and every person holding any charge, lien or other interest in, or in relation to, any such property shall give intimation of such mortgage, charge, lien, or other interest to the Commissioner within a period of thirty days from such date, as may be specified by the Central Government under section 18 :

Provided that if the Commissioner is satisfied that the mortgagee of the person holding any charge, lien or other interest was prevented by sufficient cause from giving the intimation within the said period of thirty days, he may, after recording reasons in writing, receive the intimation within a further period of thirty days and not thereafter.

4. Manner of intimation.—(1) Every intimation to be given to the Commissioner under rule 3 shall be in writing addressed to the Commissioner, and shall contain the following particulars, namely :—

(a) Name, description and full address of the mortgagee/charge, lien or other interest holder ;

(b) Name of the undertaking in respect of which the claim is made ;

(c) amount of claim (in Indian currency) ;

(d) particulars of the instrument, if any, by which the mortgage, charge, lien or other interest is secured, supported by an attested copy of the instrument ;

(e) amount, if any, already received, with particulars ;

(f) any other particulars relevant to the claim ;

(g) relief claimed.

(2) Every intimation shall be duly signed and verified by the mortgagee, or the person holding the charge, lien or other interest or by a person duly authorised by him.

(3) Intimation may be filed in the office of the Commissioner at Calcutta or Bombay on all working days during office hours or may be sent to the Commissioner by registered post with acknowledgement due.

[File No. IME-49(10)/81]

MANISH BAHL, Jt. Secy.